

मनै तो बालाजी के साथ म्ह आवै सै मजा हर बात म्ह



मनै तो बालाजी के साथ म्ह,
आवै सै मजा हर बात म्ह।bd।

तर्ज - नौकर लगाले दरबार म्ह।

कर लिया दर पै आणा जाणा सै,
बाबा तै रिश्ता निभाणा सै,
सोंपया सै हाथ उसके हाथ म्ह,
आवै सै मजा हर बात म्ह,
मने तो बालाजी के साथ में,
आवै सै मजा हर बात म्ह।bd।

सच्ची लगन उसके नाम की,
कितनी बड़ाई गाऊँ काम की,
बरसै है मीह सा मुलाकात म्ह,
आवै सै मजा हर बात म्ह,
मने तो बालाजी के साथ में,
आवै सै मजा हर बात म्ह।bd।

लाङ्गू का भोग महावीर का,
खोल्लै सै ताला तकदीर का,
करता ना फर्क जात-पात म्ह,
आवै सै मजा हर बात म्ह,
मने तो बालाजी के साथ में,
आवै सै मजा हर बात म्ह।bd।

स्वामी गजेन्द्र सच्चे ध्यान म्ह,
लक्की मगन गुणगान म्ह,
लागगे सैं बाबा की खूभात म्ह,
आवै सै मजा हर बात म्ह,
मने तो बालाजी के साथ में,
आवै सै मजा हर बात म्ह।bd।



मनै तो बालाजी के साथ म्ह,
आवै सै मजा हर बात म्ह।bd।

लेखक – गजेन्द्र स्वामी कुड़लण।

9996800660

गायक – लक्की शर्मा।
